**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 :1083**

**दिनांक 29 जुलाई, 2015**

**एलपीजी सिलिंडरों में अवशिष्ट गैस का प्रयोग**

1083. श्री मो॰ नदीमुल हक़ः

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि इस्तेमाल करके भराई के लिए भेजे जाने के बाद भी एलपीजी सिलिंडरों में कुछ रसोई गैस बची रहती है;

(ख) यदि हां, तो अवशिष्ट गैस के साथ क्या किया जाता है और उसे कैसे निष्कासित या प्रयोग में लाया जाता है;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध् में कोई अध्ययन करवाया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) एलपीजी सिलिंडर के भरे जाने के पश्चात् उसके वज़न की प्रमाणिकता की जांच करने के लिए जिम्मेदार प्राधिकरण कौन सा है?

**उत्‍तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री धर्मेन्‍द्र प्रधान)**

(क) और (ख): ओएमसीज ने बताया है कि सामान्‍य दबाव और तापक्रम में एलपीजी गैस के रूप में होती है और तरल एलपीजी को हल्‍के दबाव में सिलिंडरों में स्‍टोर किया जाता है। जब सिलिंडर में तरल एलपीजी पूरी तरह से खत्‍म हो जाती है तो बाहर के तापमान के साथ इसका तालमेल बन जाता है। घरेलू ग्राहक घरेलू प्रेशर रेगूलेटर के जरिए 30 जीएम्‍स/एकक्‍यू.सीएम के बहुत कम दबाव पर एलपीजी का उपयोग करता है। सिलिंडरों में कमरे के तापक्रम पर निर्भर करते हुए केवल कुछ अपशिष्‍ट वाष्‍प बनी रहती है जो बहुत कम होती है।

 यह डिस्‍चार्ज नहीं होती है अथवा इसका उपयोग नहीं किया जाता है क्‍योंकि यह लगातार सिलिंडर के भीतर बनी रहती है। यह तभी डिस्‍चार्ज होती है जबकि सिलिंडर का उपयोग बंद कर दिया जाता है और नियंत्रित वातावरण में इसकी गैस को निकाल दिया जाता है।

(ग): अपशिष्‍ट गैस के संबंध में कोई विशेष अध्‍ययन नहीं किया गया है।

(घ): एलपीजी भरण संयंत्र में सिलिंडरों को स्‍वचालित विद्युत भरण तुला के जरिए भार और माप विनियमनों की सीमाओं के भीतर ही सही-सही भरा जाता है और भरण के बाद 100 प्रतिशत जांच होती है और वितरकों के पास इन सिलिंडरों को भेजने से पहले संयंत्रों में सांख्‍यिकीय गुणवत्‍ता नियंत्रण जांच की जाती है।

 वितरकों के गोदाम में आपूर्ति स्‍थलों से भेजे गए भरे एलपीजी सिलिंडरों को प्राप्‍त करते समय एसक्‍यूसी के एक भाग के रूप में भार के लिए 10 प्रतिशत सिलिंडरों की जांच की जाती है जबकि ग्राहकों को सुपुर्दगी से पहले सभी सिलिंडरों के भार की जांच की जाती है। एलपीजी सिलिंडरों के भार की प्रामाणिकता की जांच के लिए जिम्‍मेदार प्राधिकारी गैस नियंत्रण आदेश, 2000 में यथा निर्धारित ओएमसीज और सरकार के अधिकारी होते हैं।

\*\*\*